This question paper contains 8+3 printed pages]

आपका अनुक्रमांक.........................

219

B.A. (Programme)/I Sem. **B**

HINDI LANGUAGE (A)—Paper I A

हिंदी भाषा (क)—प्रश्नपत्र I A

(प्रवेशवर्ष 2011 और तत्पश्चात्)

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 75

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

खण्ड वाले प्रश्नों के उत्तर एक ही स्थान पर लिखिये।

1. निम्नलिखित अनुच्छेद आपके पाठयक्रम में निर्धारित पाठों से लिए गए हैं। किन्हीं **दो** अनुच्छेदों के नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिये :

(क) अर्थ सामाजिक व्यक्ति की अनिवार्य आवश्यकता है, क्योंकि उसके द्वारा ही जीवन के लिए आवश्यक सामग्री प्राप्त हो सकती है। बर्बरता तथा सभ्यता दोनों ही परिस्थितियों

में मनुष्य अपने सुख-साधन चाहता है। अन्तर केवल यही है कि एक स्थिति में अपने सुख के साधन प्राप्त करना व्यक्ति की शक्ति पर निर्भर है और दूसरी में सुख की सामग्री के समान विभाजन का अधिकार समाज को सौंप दिया जाता है। बर्बरता की स्थिति में शक्ति का उपयोग व्यक्तिगत हितों की रक्षा में निहित था, परन्तु सभ्य समाज में शक्ति का उपयोग सार्वजनिक है। समाज अपने सदस्यों में प्रत्येक को चाहे वह सबल हो चाहे निर्बल, सुख के साधन समान रूप से वितरित करने पर बाध्य समझा जाता है।

(*i*) उपर्युक्त अनुच्छेद के पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

(*ii*) शक्ति के 'व्यक्तिगत' और 'सार्वजनिक' उपयोग का आशय स्पष्ट कीजिए।

(*iii*) विलोम लिखिए : उपयोग, जीवन, आवश्यक।

(ख) रामायण के समय से महाभारत के समय में लोगों के हृदगत भाव में कितना अन्तर हो गया था कि रामायण में दो प्रतिद्वन्द्वी भाई इस बात के लिए विवाद कर रहे थे कि यह समस्त राज्य और राज्य-सिंहासन हमारा नहीं है यह सब तुम्हारे हाथ में रहे, अन्त में रामचन्द्र भरत को विवाद में पराभूत कर समस्त साम्राज्य उनके हस्तगत कर आप आनन्द-निर्भर-चित्त हो सपत्नीक बनवासी हुए। वहीं महाभारत में दो दायाद भाई इस बात के लिए कलह करने पर सन्नद्ध हुए कि जितने में सूई का अग्रभाग ढँक जाए इतनी पृथ्वी भी बिना युद्ध के हम न देंगे।

(*i*) उपर्युक्त अनुच्छेद के पाठ का शीर्षक और रचनाकार का नाम लिखिए।

(*ii*) उपर्युक्त अनुच्छेद में व्यक्त भावात्मक अन्तर का क्या आधार या कारण है ?

(*iii*) आज का समाज और अनुच्छेद में अभिव्यक्त समाजों की तुलना कीजिए।

(ग) संस्कृत कूप जल मात्र नहीं। उसकी भूमिका विस्तृत और विशाल है। वह भाषा-नदी के जल को सनाथ करने वाला पावस मेघ है, वह परम पद का तुहिन व्योम है, वह हिमालय के हृदय का 'ग्लेशियर' अर्थात् हिमवाह है। जब हिमवाह गलता है तभी बहते नीर वाली नदी में जीवन-संचार होता है। जब उत्तर दिशा में तुषार पड़ती है तो वही राशिभूत होकर हिमवाह का रूप धारण करती है। जब हिमवाह पिघलता है तो नदी जीवन पाती है, अन्यथा उसका रूपान्तर मृतशय्या में हो जाता है। हिमालय दूर है, हिमवाह नजरों से ओझल है, पर जानने वाले जानते हैं कि वह तृषातोषक अमृतवारि जो गाँव-नगर की प्यास बुझाता हुआ सागर-संगम तक आ रहा है, हिमालय का पिघला हुआ हृदय ही है। यदि हृदय कपाट बद्ध या अवरुद्ध हो जाए तो नदी बेमौत मारी जाएगी।

(*i*) उपर्युक्त अनुच्छेद किस पाठ से लिया गया है ? पाठ के लेखक का नाम लिखिये।

(*ii*) 'जब हिमवाह पिघलता है तो नदी जीवन पाती है'—

आशय स्पष्ट कीजिए।

(*iii*) भाषा को बहता नीर क्यों कहा गया है ? 9, 9

2. किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(*i*) 'सिंह-वृत्ति से जीविका ग्रहण करना' आदि से कहानीकार क्या कहना चाहता है ?

(—'गुण्डा' कहानी के आधार पर)

(*ii*) "जाति की वृद्धि और पुरुषों के मनोविनोद का साधन होने के अतिरिक्त स्त्री का कोई और उपयोग नहीं था।"

'समाज और व्यक्ति' निबन्ध के आधार पर 'नारी' की स्थिति का वर्णन कीजिए।

(*iii*) "जातीयता की पृष्ठभूमि में अनेक तथ्य हो सकते हैं।" वर्तमान भारत के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए। 'अस्मिताओं का संघर्ष' पाठ के आधार पर विश्लेषण कीजिए।

—अस्मिताओं का संघर्ष : श्यामचरण दुबे

(iv) 'सरस्वती नदी' के सम्बन्ध में लेखक ने जिस भाव को अभिव्यक्त किया है उसका पाठ के आधार पर विश्लेषण कीजिए।

—भाषा बहता नीर—कुबेरनाथ राय 12

3. 'सूरज का सातवाँ घोड़ा' के आधार पर किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(i) "देखो माणिक, तुमने नमक खाया है और नमक खाकर जो अदा नहीं करता उस पर बहुत पाप पड़ता है।" माणिक को यह बात किसने कही और माणिक ने 'नमक' कैसे अदा किया ?

(ii) "जब मैं प्रेम पर आर्थिक प्रभाव की बात करता हूँ तो मेरा मतलब यह रहता है कि वास्तव में आर्थिक ढाँचा हमारे मन पर इतना अजब सा प्रभाव डालता है कि मन की सारी भावनाएँ उससे स्वाधीन नहीं हो पातीं।" माणिक मुल्ला के इस वक्तव्य के आधार पर पुस्तक में व्यक्त 'प्रेम' पर प्रकाश डालिए।

(*iii*) माणिक को जमुना के घर क्यों जाना पड़ता था ?

(*iv*) सत्ती को माणिक ने क्यों नहीं अपनाया ?

(*v*) माणिक और लिली में क्या संबंध था ?

(*vi*) जमुना का तन्ना से विवाह क्यों नहीं हुआ ?

(*vii*) 'सूर्य का रथ काफी टूट-फूट गया है।' कारण स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'यात्राएँ' के आधार पर किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिये :

(*i*) इब्सन को अपना प्यारा शहर क्यों छोड़ना पड़ा ?

(—सीयन : जहाँ इब्सन आज भी जीवित है)

(*ii*) सिगरी उनसत के निवास स्थान को उनकी तपोभूमि क्यों कहा गया ?

(—सिगरी की तपोभूमि : लिली होमर)

(*iii*) श्री जी. शंकर कुरूप देश की एकता के लिए समान लिपि के रूप में कौन-सी लिपि अपनाने की सलाह देते हैं ?

(—कथा : केरल की)

(iv) 'सीमा सुरक्षा बल' रूपी पैरा-मिलिट्री संगठन बनाने की ओर किसका ध्यान गया ?

(—झेलम से हरिन बांगा तक)

(v) लिच्छवी नरेश ने नौ लाख स्वर्ण मुद्राओं के स्थान पर कनिष्क राज को क्या देकर मित्रता की ?

(—कुशीनारा : तथागत के अन्तिम दिन)

(vi) ओस्लो जाने के समय किन चीजों को ले जाना जरूरी समझा जाता है ?

(—चाँदी की खानें, भारी पानी और कोबाल्ट)

(vii) हजारों वर्ष पहले महादेश, अफ्रीका और आस्ट्रेलिया से जुड़ा हुआ था; उसका नाम लिखिए।

(—हिन्द महासागर का मोती) 10

4. किसी **एक** विषय पर विस्तृत टिप्पणी या परिचर्चा लिखिये :

(i) लोकपाल बिल

(ii) आर. टी. आई.

(iii) आरक्षण। 8

5. निम्नलिखित संवाद का कथांश में अन्तरण कीजिए : 7

लक्ष्मीबाई : कहिए सरदार तांत्या, आज आप इधर कैसे भूल पड़े ?

तांत्या : बाई साहब, मैं किसी के लिए सरदार हो सकता हूँ, पर आपके लिए तो सेवक ही हूँ।

लक्ष्मीबाई : (व्यंग्य से) इतने बड़े सेनापति को इस प्रकार एक नारी के सामने झुकते लज्जा नहीं आती ? खैर, छोड़ो इस बात को। यह तुम्हारी विनम्रता है। लेकिन यह तोपों की आवाज कैसे आ रही है ? कौन-सा उत्सव मनाया जा रहा है ? शायद चाटुकारों में जागीर बाँटना अभी खत्म नहीं हुआ है ?

तांत्या : बाई साहब, आपको हमें लज्जित करने का पूरा अधिकार है ? हम इसी योग्य हैं, लेकिन जो कुछ हो रहा है, वह आप जानती ही हैं।

लक्ष्मीबाई : शायद ब्रह्मभोज के उपलक्ष्य में ये तोपें चल रही हैं। श्रीखण्ड और लड्डुओं के लिए घी-शक्कर की कमी तो नहीं पड़ी ?

तांत्या : (व्याकुल होकर) नहीं बाई साहब, यह बात नहीं है।

लक्ष्मीबाई : तो क्या नाचनेवालियों की ज़रूरत है ? जूही को भेजूँ ?

तांत्या : नहीं, नहीं बाई साहब ! और अधिक लज्जित न करें। ये तोप..............

लक्ष्मीबाई : यह तो भाँग छानने का अवसर है। आप इधर कैसे आ गए ? शायद पेशवा ने मेरी सेना में भी भाँग बाँटने की आज्ञा दी है।

तांत्या : महारानी जी, इस भाँग ने ही तो हमें इस दशा में पहुँचा दिया है। ये तोपें हमारी नहीं, जनरल रोज़ की हैं। उसने मुरार पर अधिकार कर लिया है।

लक्ष्मीबाई : कर लिया तो मैं क्या करूँ ? उसने ठीक ही किया।

6. किसी **एक** विषय पर लिखिये : 8

(i) जनजागरण में मीडिया एवं संचार माध्यमों की भूमिका।

(ii) आगम-निगम शैलियों को उदाहरण सहित प्रस्तुत कीजिए।

(iii) किसी भी (पाठ्यपुस्तक के) पाठ का विश्लेषण करने के लिए आधारभूत तत्त्व बताइए।

7. अनुच्छेद लेखन की शैली के आधारभूत तत्त्वों पर चर्चा कीजिए। 6

8. संहति अथवा संसक्ति की अवधारणा प्रस्तुत कीजिए। 6